गुरु नानक कॉलेज धनबाद

हिंदी दिवस (2024) के आयोजन में हुआ बोलियों का उत्सव

गुरु नानक महाविद्यालय के हिंदी-विभाग द्वारा भूदा परिसर के एस.जे.एस. ग्रेवाल प्रेक्षागृह में 30/9/24 को हिंदी-दिवस का आयोजन किया गया जिसका केंद्रबिंदु 'बोलियों का उत्सव' था। हिंदी-उत्सव में मैथिली, ब्रज, भोजपुरी, नागपुरी, खड़ी बोली की कविताओं की लयात्मक प्रस्तुति हुई और हिंदी की सहायिकाओं (बोलियों) की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। आरंभ में रितेश ने आज के हिंदी की भूमिका पर सारगर्भित प्रकाश डाला। फिर 'हिंदी की आत्मवेदना' नुक्कड़ नाटक व नागपुरी नृत्य ने सबका मन मोह लिया। रिया ने मैथिली लोकगीत, दिव्या ने रश्मिरथी के तृतीय सर्ग, मुस्कान ने दिनकर व सूर की कविता तथा रिया एवं अंजली ने मीराभजन की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम प्रो. इंचार्ज (भूदा परिसर) प्रो. अमरजीत सिंह ने आशीर्वचन स्वरूप हिंदी की महत्ता एवं गौरवशाली परंपरा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य महोदय प्रो.डॉ. संजय प्रसाद ने की साथ ही उन्होंने कहा कि रोजगारपरक हिंदी के अवसर को धरातल पर उतरने की दिशा में सेमिनार के जरिए विद्यार्थियों में जागरूकता लाने की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव तथा धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो.सोनू प्रसाद यादव ने किया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. मीना मालखंडी, प्रो.दीपक कुमार, प्रो. डॉ.वर्षा सिंह, प्रो.दलजीत सिंह, प्रो.अभिषेक सिंह, प्रो. अनुराधा, प्रो. एकता, प्रो. नुसरत सहित अन्य शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

Picture Gallery

गुरू नानक कॉलेज

गुरू नानक कॉलेज, धनबाद
NAAC द्वारा प्रत्यायित, ग्रेड - बी
हिन्दी दिवस

गुरू नानक कॉलेज, धनबाद
बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद
द्वारा स्थायी संबद्धता प्राप्त डिग्री महाविद्यालय
NAAC द्वारा प्रत्यायित, ग्रेड - बी
हिन्दी दिवस
समय : प्रातः 11 बजे से

गुरू नानक कॉलेज, धनबाद
हिन्दी दिवस

गुरू नानक कॉलेज, धनबाद

गुरू नानक कॉलेज, धनबाद
विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद
द्वारा स्थापी सबद्धता प्राप्त डिग्री महाविद्यालय
NAAC द्वारा प्रत्यायित, ग्रेड - बी
हिन्दी दिवस

गुरू नानक कॉलेज, धनबाद
विनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद
द्वारा स्थापी सबद्धता प्राप्त डिग्री महाविद्यालय
NAAC द्वारा प्रत्यायित, ग्रेड - बी

Press Release

हिंदी दैनिक
कोयलांचल संवाद
www.ksnewsupdates.com धनबाद, गुरुवार 17 अक्टूबर, 2024, वर्ष: 33 अंक : 194 , मूल्य : 2 रूपए
धनबाद एवं रांची से एक साथ प्रकाशित
YouTube Subscribe Koylanchal sambad news

संक्षिप्त खबरें

झारखंड में चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद सियासी हलचल हो गयी तेज

RANCHI * DHANBAD * RAIPUR * BHOPAL * DELHI * GAYA
خبر ایکسپریس
خبر ایکسپریس راشٹریہ اردو دینک
KHABAR EXPRESS NATIONAL URDU DAILY
https://www.facebook.com epaper-www.khabarexpress.in
Email For News: kexpressnews@gmail.com
Ranchi Thursday 17 October 2024 | Rabi-ul-Sani-13 1446 AH | Postal Registration- R.N/236/2024-26 | R.N.I.NO. JHAURD/2013/53643 | Rs.3/-

गुरुनानक कॉलेज में मना 'बोलियों का उत्सव'

धनबाद. गुरुनानक कॉलेज के हिंदी-विभाग की ओर से भूदा परिसर में सोमवार को हिंदी दिवस का आयोजन किया गया. इसमें बोलियों का उत्सव मुख्य आकर्षण था. कार्यक्रम में मैथिली, ब्रज, भोजपुरी, नागपुरी, खड़ी बोली की कविताओं का सस्वर पाठ हुआ और हिंदी की बोलियों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया. आरंभ में रितेश ने हिंदी की भूमिका पर प्रकाश डाला. फिर 'हिंदी की आत्मवेदना' नुक्कड़ नाटक व नागपुरी नृत्य प्रस्तुत किया गया. रिया ने मैथिली लोकगीत, दिव्या ने रश्मिरथी के तृतीय सर्ग, मुस्कान ने दिनकर व सूर की कविता, रिया व अंजली ने मीराभजन की प्रस्तुति दी. प्रो. इंचार्ज प्रो. अमरजीत सिंह ने हिंदी की महत्ता पर प्रकाश डाला. अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डॉ संजय प्रसाद ने की. संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव व धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. सोनू प्रसाद यादव ने किया. कार्यक्रम में प्रो. डॉ. मीना मालखंडी, प्रो. दीपक कुमार, प्रो. डॉ वर्षा सिंह, प्रो. दलजीत सिंह, प्रो. अभिषेक सिंह, प्रो. अनुराधा, प्रो. एकता, प्रो. नुसरत आदि थे.

गुरुनानक कॉलेज में बोलियों के उत्सव की खूब रही धूम

धनबाद, मुख्य संवाददाता। गुरुनानक कॉलेज के हिन्दी विभाग विभाग के हिन्दी दिवस पर बोलियों के उत्सव की धूम रही। सोमवार को बोलियों के उत्सव में मैथिली, ब्रज, भोजपुरी, नागपुरी, खड़ी बोली की कविताओं की लयात्मक प्रस्तुति हुई।

हिन्दी सहायिकाओं (बोलियों) की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। हिन्दी की आत्मवेदना नुक्कड़ नाटक व नागपुरी नृत्य ने सबका मन मोह लिया। रिया ने मैथिली लोकगीत, दिव्या ने रश्मिरथी के तृतीय सर्ग, मुस्कान ने दिनकर व सूर की कविता तथा रिया एवं अंजलि ने मीराभजन की प्रस्तुति दी। प्रोफेसर इंचार्ज प्रो अमरजीत सिंह ने हिन्दी की महत्ता व गौरवशाली परंपरा पर प्रकाश डाला। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो संजय प्रसाद ने की। संचालन प्रो. सिमरन श्रीवास्तव व धन्यवाद ज्ञापन प्रो सोनू यादव ने किया। मौके पर प्रो मीना मालखंडी, प्रो दीपक कुमार, प्रो वर्षा सिंह, प्रो दलजीत सिंह, प्रो अभिषेक सिंह, प्रो अनुराधा, प्रो एकता व प्रो नुसरत समेत अन्य मौजूद रहे।